|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 01. November 2025 | | | |
| **Allerheiligen C** | | | |
| Erste Lesung: Offb 7, 2-4.9-14; Zweite Lesung: 1 Joh 3, 1-3; Evangelium: Mt 5, 1-12a | | | |
|  |  | |  |
| Eröffnung: | GL 542, 1+6 | | Ihr Freunde Gottes allzugleich |
|  | GL 548, 1-5 | | Für alle Heilgen |
|  |  | |  |
| Kyrie: | GL 163, 7 | | Herr, Jesus, du rufst die Menschen |
|  |  | |  |
| Gloria: | GL 715 | | Es jubelt aller Engelchor |
|  |  | |  |
| Antwortgesang: | Ps 24 (23), 1-6 | |  |
|  | Kehrvers: | |  |
|  | GL 653, 3 | | Selig, die bei dir wohnen, Herr |
|  | oder | |  |
|  | GL 479, 1-3 | | Eine große Stadt ersteht |
|  |  | | |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 |  | |
|  | Vers: |  | |
|  | *So spricht der Herr:* | | |
|  | *Kommt alle zu mir,* | | |
|  | *die ihr euch plagt und schwere Lasten zu tragen habt.* | | |
|  | *Ich werde euch Ruhe verschaffen.* | | |
|  |  | | |
| Credo: | GL 354 | Gott ist dreifaltig einer | |
|  |  |  | |
| Gabenbereitung: | GL 543, 1-4 | Wohl denen, die da wandeln | |
|  | GL 458 | Selig seid ihr | |
|  |  |  | |
| Sanctus: | GL 200 | Heilig | |
|  |  |  | |
| Agnus Dei: | GL 808, 8 | Guter Hirt | |
|  | GL 805, 2+3 | Stimmt an | |
|  |  |  | |
| Danksagung: | GL 389, 1-5 | Dass du mich einstimmen lässt | |
|  | GL 773, 1+5+6 | Dich, König, loben wir an | |
|  | GL 777, 1+3+8 | Kommt, lasst uns aus der Seele | |
|  |  |  | |
| Schluss: | GL 380, 1+4+8 | Großer Gott, wir loben dich | |